संपादकीय

प्रगतिशील खेती जनवरी 2021 अंक 01 का संपादक मण्डल के सहयोग, मुख्य संरक्षक एवं मार्ग दर्शक मण्डल के सहमत से प्रकाशित करते हुये मुझे आपार खुशी हो रही है। जिसके माध्यम से किसानो, शोध छात्रो, वैज्ञानिको, कृषि शिक्षा एवं प्रसार अधिकारियों व कर्मचारियो के बीच नवीनतम तकनीकों को समय समय पर पहुंचा कर उनको लाभान्वित करते रहेगे। प्रगतिशील कृषि का प्रकाशन बहुत समय से मन मे इच्छा थी तथा कुछ प्रगतिशील किसानो एवं मित्रो के अनुरोध पर प्रकाशित की जा रही है। प्रगतिशील कृषि प्रत्रिका का प्रकाशन *"प्रगति इन्टरनेशनल साइंसटिफिक रिसर्च फाउन्डेसन, मेरठ"* के बोर्ड ऑफ ट्रस्टी द्वारा संतुति के उपरांत किया जा रहा है।

इस अंक मे समय के माँग अनुरूप धान फसल अवशेष प्रबंधन एक चुनौतियां एवं समाधान के विषय पर प्रथम लेख प्रस्तुत किया जा रहा है जिसमे फसल अवशेष को कैसे ईधन के रूप मे बायो–गैस फिर बायो सीएनजी का उत्पादन करके यह किसानो के लिए लाभकारी हो सकता है। साथ साथ सभी प्रकार के फसल अवशेष का उचित प्रबंधन करके किसानो के द्वारा इसे खेतो मे जलाने से रोका जा सके एवं वायुमंडल को जहरीली गैस के प्रदूषण से बचाया जा सके। देश मे छोटे एवं सीमांत किसानों की संख्या लगभग 80–85 प्रतिशत है इन किसानो की आय बृद्धि कैसे सब्जी, फल एवं अन्य उपकर्मों के माध्यम से किया जाय दूसरे लेख मे विस्तृत से प्रस्तुत है।

औषधीय पौधो की खेती अधिक आमदनी एवं लाभकारी होती है। दो अन्य लेखो मे रोजमेरी और स्टीविया की खेती की जानकारी दी गयी है जिसके माध्यम से किसान भाई अत्याधिक आमदनी प्राप्त कर सकते है। स्टीविया एक शून्य कैलोरी पौधा है जिसकी पत्तियों को शक्कर की तरह उपयोग कर करके शुगर रोगी मोटापे एवं ब्लड शुगर से बच सकते है। साथ साथ इसकी खेती करके 3 से 5 साल मे लगभग 5 लाख रूपये से अधिक आमदनी प्रति हेक्टेयर प्राप्त कर सकते है। सब्जी मे टमाटर की उन्तशील खेती कैसे करे और टमाटर को मूल्य संबर्धन करके अधिक आमदनी के वारे मे बताया गया लेख भी है जिससे किसान लाभान्वित होंगे।

महिलायो का कृषि मे कृषक एवं श्रमिको के रूप मे भागीदारी लगभग 64 प्रतिशत तक है जिनकी कठिन परिश्रम को कम करने के विभिन्न उपायो पर चर्चा की गयी है। पर्वीतीय एवं मैदानी महिला उपयोगी यंत्रो की विस्तृत जानकारी दो लेखो के माध्यम से दी गयी है। इन महिला उपयोगी उन्नति यंत्रो से कम समय एवं ऊर्जा मे बिना थके अधिक कार्य किया जा सकता है। साथ साथ संतुलित पोषक तत्वो को भोजन मे कैसे शामिल करे एवं महिला स्वास्थ्य पर विस्तृत प्रकाश डाला गया है जिससे महिला कृषक स्वस्थ्य एवं खुशहाल जीवन व्यतीत कर सके।

महंगी लेवर एवं समय पर उप्लब्धता न होने से, आजकल खेती मे मशीनीकरण एक जरूरी अंग है जिसके माध्यम से कम समय मे अधिक कार्य एवं कम फसल लागत से 10–15 प्रतिशत अधिक उत्पादन प्राप्ति की जा सकती है। इस अंक मे गन्ना खेती से संम्बंधित विभिन्न प्रकार के मशीन उपयोगिता के वारे मे बताया गया है जिसके माध्यम से जुताई, बुवाई के विभिन्न यंत्रो, निराई–गुड़ाई यंत्र, खाद एवं दवा का छिड़काव यंत्र, पेड़ी प्रबंधन मशीन इत्यादि के बारे मे विस्तृत विवरण दिया गया है जिससे गन्ना उत्पादक किसान लाभ प्राप्ति कर सकते है। अंत मे मछली उत्पादन की आधुनिक तकनीकी के माध्यम से कम पानी, जमीन मे बिना किसी प्रदूषण के नियंत्रित तरीके से आक्सीजन एवं अन्य पोषक तत्व की सप्लाई कर विभिन्न मछली प्रजातियों को साल भर उत्पादन करके लाभ प्राप्ति कर सकते है।

हम आशा करते है कि उपरोक्त लेख आप सभी पाठको के लिए उपयोगी एवं लाभकारी होगा। आगामी प्रगतिशील खेती पत्रिका जुलाई 2021 अंक 02 मे प्रकाशित की जाएगी। आप सभी के सुझायों का हमे इंतजार रहेगा जोकि आप लोग ईमेल (pisrf19@gmail.com) के माध्यम से भेज सकते है। मै सभी लेखको का ज्ञानवर्धक लेख प्रस्तुत करने के लिए अभारी हूँ एवं आशा करता हूँ कि पाठको को प्रसंद आयेगा।

सहयोग का अभिलाषी।

सधन्यवाद।

(वेद प्रकाश चौधरी)

प्रधान संपादक